● सुनो, पढ़ो और लिखो :

४. देहात और शहर

– *अभिषेक पांडेय*

जन्म : २९ जनवरी १९९२, मुंबई (महाराष्ट्र) **परिचय :** सम-सामयिक विषयों में अभिषेक पांडेय जी की विशेष अभिरुचि एवं लेखन रहा है। प्रस्तुत पत्रों में लेखक ने देहात और शहर के अपने सुख-दुख एवं बढ़ती हुई जनसंख्या के अभिशाप पर अनेक सुझाव दिए हैं ।

खोजबीन

डाकघर से प्राप्त सेवाएँ बताओ और संकेत स्थलों से अन्य सेवाएँ ढूँढ़कर उनकी सूची बनाओ ।

सेवाओं के नाम | कब ली जाती हैं ?

दिनांक १ अगस्त, २०१७

प्रिय मित्र शहर,

नमस्कार ।

कल तुमसे बात हुई । मेरे सुख-दुख के संबंध में पूछा । धन्यवाद ! बहुत सारी बातें मन में हैं, सब कुछ दूरध्वनि पर कहना मुश्किल है । सोचा; पत्र ही लिखूँ । अब मैं अपना दुखड़ा क्या रोऊँ? चलिए, इस बार कुछ अच्छी बातें भी तुमसे साझा करता हूँ । ‘डिजिटल’ क्रांति का थोड़ा असर हमारे गाँव में भी दिखाई पड़ने लगा है । ‘मोबाइल’ के माध्यम से नित नवीन सूचनाएँ हम तक पहुँचने लगी हैं । ‘स्वच्छ ग्राम-स्वस्थ ग्राम’ परियोजना घर-घर तक पहुँच गई है । ग्रामजन भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, खेती के नवीन औजारों और आधुनिक खेती की पद्धतियों को थोड़ा-थोड़ा जानने लगे हैं । ‘घर-घर में शौचालय’ जैसी सुविधा के प्रति लोग जागरूक हो रहे हैं ।

हालाँकि कुछ परेशानियाँ अब भी वहीं की वहीं हैं । पीने का पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है । मेरे यहाँ विद्‌यालय तो हैं पर उनमें आवश्यक सुविधाएँ नहीं हैं । महाविद्‌यालय तो हमारे गाँव से बहुत दूर है । तुम्हारे बारे में सोचता हूँ तो लगता है कि तुम्हारे पास अत्याधुनिक और अच्छी सुविधाएँ, विकसित तकनीक हैं । तुम्हारी दिन दूनी-रात चौगुनी उन्नति हो रही है । तुम कितने सुखी हो ! यातायात के आधुनिक साधन, पक्की चौड़ी सड़कें, बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल और चौबीस घंटे बिजली की सुविधा तुम्हारी शान में चार चाँद लगा देती हैं । कभी-कभी मन बहुत उदास हो जाता है । एक जमाना था, जब मेरे यहाँ बहुत खुशहाली थी । चारों तरफ हरियाली थी पर अब पहले जैसी रौनक नहीं रही । मैं असुविधा, बेरोजगारी, आपसी झगड़े, गुटबाजी, अशांति जैसी समस्याओं से घिरता

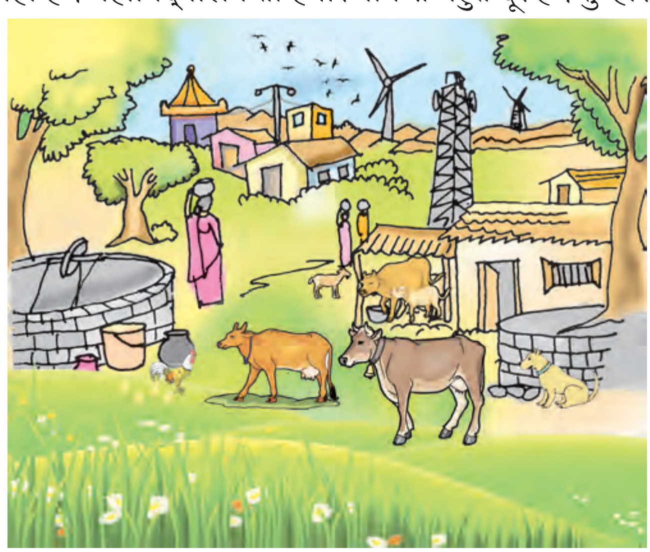

❑ पत्र का मुखर वाचन कराएँ । प्रश्नोत्तर के माध्यम से इन पत्रों के मुख्य मुद्दों पर चर्चा कराएँ । देखे हुए देहात-शहर में क्या-क्या अंतर होता है, बताने के लिए प्रेरित करें । आदर्श गाँव/शहर में क्या-क्या होना चाहिए, पूछें । बढ़ती जनसंख्या की समस्या पर चर्चा करें ।

विचार मंथन

'गाँव का विकास, देश का विकास' इस विषय पर संवाद सुनो और सुनाओ ।

जा रहा हूँ । यहाँ के कुछ अशिक्षित और अल्पशिक्षित लोग परिवार कल्याण के प्रति आज भी उदासीन हैं । जनसंख्या भी बढ़ रही है । उनके लिए यहाँ काम-धंधा नहीं है ।

रोजगार की तलाश में लोग शहर जा रहे हैं । यहाँ काम के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं । शहरी चमक-दमक और आधुनिक सुविधाओं की ओर आकर्षित होकर लोग मुझे अकेला छोड़कर तुम्हारी ओर दौड़ रहे हैं । यहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ भी नहीं हैं । बीमारियाँ हैं पर पर्याप्त मात्रा में सुसज्ज और अच्छे अस्पताल नहीं हैं। लोगों को ठीक समय पर दवा नहीं मिल पाती है। मेरा परिवार टूट-सा रहा है । बताइए मैं क्या करूँ ?

तुम्हारा मित्र
देहात

प्रिय मित्र देहात, दिनांक १५ अगस्त, २०१७

नमस्कार ।

आज स्वतंत्रता दिवस है इस उपलक्ष्य में हार्दिक बधाई ! पत्र मिला । तुम्हारी प्रगति के बारे में जानकर खुशी हुई । मित्र ! परिवर्तन सृष्टि का नियम है । भला तुम्हारी स्थिति क्यों न बदलती; धीरे-धीरे और भी विकास होगा।

'धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय,
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय ।'

माना कि कुछ परेशानियाँ हैं । वहाँ के परिवार तेजी से मेरे यहाँ आ रहे हैं परंतु यहाँ आकर भी सब कहाँ सुखी हैं? चिराग तले अँधेरा है । जिन बस्तियों में, जिन हालातों में वे रहते हैं, तुम सुनोगे तो और बेचैन और व्यथित हो जाओगे । मेरे यहाँ की दिन-ब-दिन बढ़ती भीड़ से मैं परेशान हो उठा हूँ । जिस चमक-दमक की बात तुम कर रहे हो, वह सबको कहाँ उपलब्ध है? तुम्हारे यहाँ से जो यहाँ आते हैं, कई बार बाद में पछताते भी हैं ।

मैं चाहता हूँ कि तुम अपने लोगों को समय रहते अपना महत्त्व समझाओ । 'छोटा परिवार-सुखी परिवार' की बात अब उनकी समझ में आ जानी चाहिए । तुम उन्हें बुराइयों से दूर रखकर विभिन्न व्यावसायिक कौशलों, कंप्यूटर संबंधी जानकारी विकसित करने की तरफ ध्यान दो । खेल तो ग्रामीण जीवन की आत्मा है । दौड़ना, तैरना, पेड़ों पर चढ़ना-उतरना तो वहाँ के बच्चों की रग-रग में रचा-बसा है । आज कितने विख्यात खिलाड़ी गाँव से ही आगे बढ़े हैं। उनको प्रोत्साहित करना तुम्हारी नैतिक जिम्मेदारी है । खेल संबंधी मार्गदर्शन देकर हमारा देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति कर सकता है । अपने गाँव को एक परिवार समझकर उसे विकसित करने का प्रयत्न

❑ पत्र के प्रारूप और पत्र लेखन के मुद्दों पर चर्चा करें और लेखन कराएँ । औपचारिक और अनौपचारिक पत्रलेखन के बारे में जानकारी दें । किन-किन अवसरों पर अभिनंदन, बधाई पत्र लिखा जा सकता है, पूछें । अभिनंदन, बधाई पत्र लिखने के लिए प्रोत्साहित करें ।

बताओ तो सही

हिंदी की विभिन्न बोलियों के नाम बताओ और उनसे संबंधित प्रदेशों के नाम लिखो :
जैसे-ब्रज, भोजपुरी, मारवाड़ी, दक्खिनी, गढ़वाली आदि ।

करना होगा। तुम्हारी और मेरी समस्या का मूल कारण दिनोंदिन बढ़ती आबादी, अशिक्षा और गरीबी है।

मेरे यहाँ लोग रोजगार की तलाश में आना कम कर दें। तुम गाँववालों को सहकारिता का महत्त्व समझाओ। सहकारिता पर आधारित छोटे-छोटे व्यवसाय तुम अपने यहाँ शुरू करवाओ ताकि कृषि आधारित अनेक लघु उद्‌योग, फलोत्पादन, औषधीय वनस्पतियों की खेती, पशुपालन जैसे अनेक व्यवसाय शुरू किए जा सकते हैं। अरे देहात भाई ! कितने भाग्यशाली हो कि तुम प्रदूषणमुक्त वातावरण में रहते हो । खुला-खुला परिसर, न धुआँ, न वाहनों की चिल्लपों, हरे-भरे पेड़ ये सब चीजें तुम्हारे पास हैं। रात में तारों भरा आसमान तो सबेरे उगते सूरज के दर्शन कितनी सहजता, सरलता से हो जाते हैं । हम तो इमारतों के जंगल में बदल गए हैं । खुला आसमान, बड़ा मैदान हमारे लिए कितने अनमोल एवं दुर्लभ हो गए हैं, ये तुम नहीं समझ सकते। तुम्हारे तहसील और क्षेत्र के लोगों को चाहिए कि वे अपने क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करने के लिए अपने जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें ।

तुम्हारे यहाँ जो बच्चे विद्‌यालय में पढ़ रहे हैं, यदि अभी से उन्हें सही दिशा, उचित मार्गदर्शन दिया जाए तो भविष्य में वे ही हम सबकी व्यथा कम कर सकते हैं। वे ही हमारे आशा स्थान हैं ।

मुझे पूरा विश्वास है कि उनपर अवश्य ध्यान दिया जाएगा ।

तुम्हारा अपना
शहर

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

साझा करना = बाँटना
रौनक = चमक-दमक
व्यथित = दुखी
विख्यात = बहुत प्रसिद्‌ध
आबादी = जनसंख्या
चिल्लपों = शोर

मुहावरे

दुखड़ा रोना = दुख सुनाना
दिन दूनी-रात चौगुनी उन्नति = तेज गति से विकास
चार चाँद लगाना = शोभा बढ़ाना

कहावत

चिराग तले अँधेरा = योग्य व्यक्ति के आसपास ही अयोग्यता

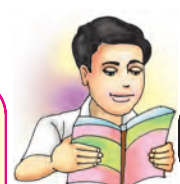

वाचन जगत से

गाँव संबंधी सरकारी योजनाओं की जानकारी पढ़ो और मुख्य बातें सुनाओ ।

अध्ययन कौशल

सुने हुए नए शब्दों की वर्णक्रमानुसार तालिका बनाकर संभाषण एवं लेखन में उनका प्रयोग करो ।

❑ विद्‌यार्थियों को महापुरुषों द्‌वारा लिखे पत्रों को पुस्तकालय/अंतरजाल के माध्यम से पढ़ने के लिए प्रेरित करें। संबंधियों द्‌वारा भेजे गए पत्रों का संकलन करने के लिए प्रेरित करें। अपने गाँव-तहसील, शहर के महत्त्वपूर्ण स्थलों का परिचय देने के लिए कहें ।

स्वयं अध्ययन

यदि सार्वजनिक यातायात के साधन नहीं होते तो इनपर क्या प्रभाव पड़ता, लिखो :

- गाँव
- शहर
- महानगर
- देश

सदैव ध्यान में रखो

गाँव की समृद्धि में ही शहर की खुशहाली समाहित है ।

१. वाक्य के सामने सही ☑ या गलत ☒ चिह्न लगाओ :

(क) खेल ग्रामीण जीवन की आत्मा है । ☐

(ख) गाँव में बीमारियाँ हैं पर पर्याप्त मात्रा में सुसज्ज और अच्छे अस्पताल हैं । ☐

२. कारण लिखो :

(च) गाँवों में काम करने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं ।

(छ) शहर परेशान हो उठा है ।

(ज) गाँव बहुत उदास हो जाता है ।

भाषा की ओर

L28H89

निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलो और वाक्य बनाकर लिखो :

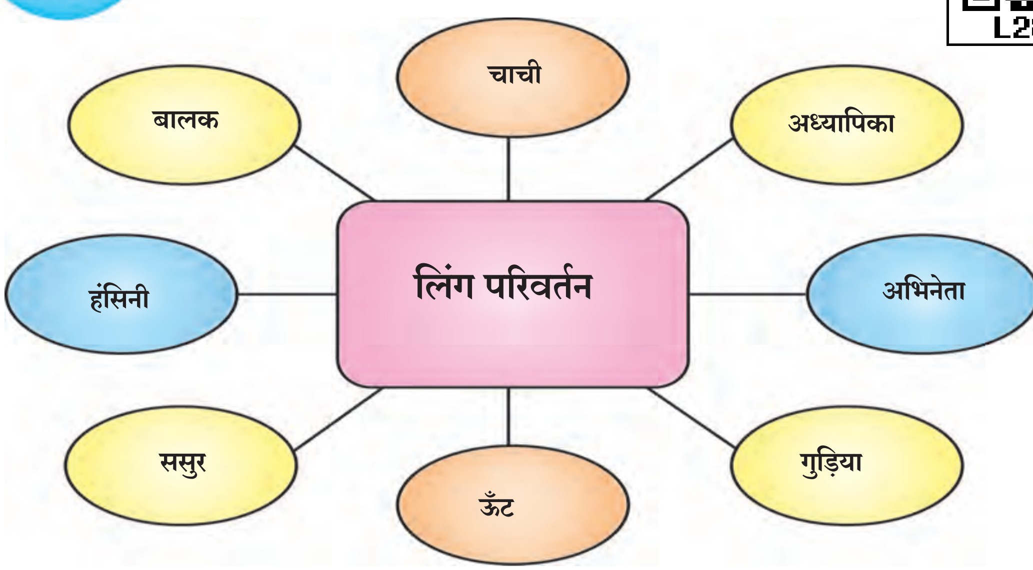

१. **चाचा जी** प्रकल्प में मेरा मार्गदर्शन करते हैं ।

२. ....

३. ....

४. ....

५. ....

६. ....

७. ....

८. ....